आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 05.04.2026
समय 07.20

पहले मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की; राज्य की विभिन्न योजनाओं को गति देने के लिए सहयोग का आग्रह किया।
- राज्य में भूस्खलन प्रभावित स्थलों के सुधार और मरम्मत के लिए केंद्र सरकार ने 461 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी।
- हरिद्वार में पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन अप्रैल माह के दौरान सभी वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और आश्रमों को पीएनजी कनेक्शन से जोड़ेगा।
- वनाग्नि सीजन के दौरान नैनीताल और उधमसिंह नगर जिलों में तैनात प्रभागीय वनाधिकारियों का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा।

चर्चा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने हरिद्वार में गंगा कॉरिडोर परियोजना के लिए करीब 325 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कुंभ मेला–2027 की तैयारियों को देखते हुए हरिद्वार में विद्युत लाइनों को भूमिगत करने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए भी सहयोग मांगा। इसके साथ ही उन्होंने परियोजना के अगले चरण के लिए अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत करने का भी आग्रह किया।

उन्होंने हरिद्वार और ऋषिकेश में घाटों के सौंदर्यीकरण, आवासीय सुविधाओं के विकास और शहरी ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्र से सहयोग की मांग की, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए मुख्यमंत्री ने आरआरटीएस परियोजना को मेरठ से हरिद्वार और ऋषिकेश तक विस्तार देने और देहरादून–हरिद्वार–ऋषिकेश मेट्रो कॉरिडोर विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

स्वीकृति

उत्तराखंड में भूस्खलन प्रभावित स्थलों के सुधार और मरम्मत के लिए केंद्र सरकार ने 461 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस फैसले पर केंद्र सरकार का आभार जताते हुए इसे राज्य के लिए महत्वपूर्ण बताया है।

इस स्वीकृति के तहत उत्तरकाशी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग–134 पर 17 भूस्खलन प्रभावित स्थलों के उपचार के लिए 233 करोड़ रुपये और पिथौरागढ़ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग–09 के तवाघाट–घटियाबागड़ खंड पर 3 संवेदनशील स्थलों के लिए 228 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग–134 चारधाम यात्रा का प्रमुख मार्ग है और इसके सुधरने से यात्रा और अधिक सुरक्षित और सुगम होगी। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग–09 पर कार्य होने से सीमांत क्षेत्रों में आवागमन बेहतर होगा और कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि इस निर्णय से न केवल यात्रियों और स्थानीय लोगों की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि प्रदेश में सड़क अवसंरचना को भी मजबूती मिलेगी। साथ ही यह पर्यटन और आपदा प्रबंधन के लिहाज से भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

मास्टर प्लान 2041

देहरादून के सुनियोजित और संतुलित विकास के लिए मास्टर प्लान 2041 को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के तहत आयोजित बैठक में इस योजना के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने की। एक रिपोर्ट–

बैठक में तय किया गया कि मास्टर प्लान को जनभागीदारी आधारित बनाया जाएगा। इसके तहत नगर निगम के वार्डों में शिविर लगाकर लोगों से सुझाव और आपत्तियां ली जाएंगी, ताकि योजना अधिक व्यवहारिक बन सके।

तेजी से बढ़ती आबादी को देखते हुए यातायात और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके लिए सड़कों के विस्तार, सार्वजनिक परिवहन और पार्किंग सुविधाओं के विकास के साथ ट्रैफिक प्रबंधन के नए उपायों पर काम किया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण को भी योजना में प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत नदी तटों के संरक्षण, हरित क्षेत्र बढ़ाने और वृक्षारोपण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे। मास्टर प्लान से जुड़ी आपत्तियों के निस्तारण के लिए एक नई समिति का गठन किया गया है, जो समयबद्ध तरीके से मामलों का समाधान करेगी।

बैठक में मसूरी के विकास को लेकर भी चर्चा की गई, जहां पर्यटन और पर्यावरण के संतुलन को ध्यान में रखते हुए योजना तैयार की जा रही है।

अधिकारियों ने कहा कि विभिन्न विभागों के समन्वय से इस योजना को लागू किया जाएगा, ताकि देहरादून को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और रहने योग्य शहर के रूप में विकसित किया जा सके।

प्रयास

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि सरकार देश भर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर सम्भव प्रयास कर रही है। मंत्रालय ने नागरिकों को घबराहट में पेट्रोल और डीजल खरीदने तथा रसोई गैस की अनावश्यक बुकिंग से बचने की सलाह दी। पांच किलोग्राम के सिलेण्डर नजदीकी एलपीजी वितरकों के यहां उपलब्ध हैं और वैध पहचान पत्र दिखाकर इन्हें खरीदा जा सकता है।

कालाबाज़ारी पर रोक/पीएनजी कनेक्शन

हरिद्वार में पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन ने विशेष पहल शुरू की है। जिलाधिकारी के निर्देश पर अप्रैल माह के दौरान सभी वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और आश्रमों को पीएनजी कनेक्शन से जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला आपूर्ति अधिकारी मुकेश पाल ने बताया कि ज़िले में घरेलू और व्यावसायिक गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। साथ ही गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

एलपीजी गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए प्रशासन लगातार निरीक्षण और छापेमारी कर रहा है। अब तक कई प्रतिष्ठानों की जांच की जा चुकी है और अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई भी की गई है, जिसमें मुकदमे दर्ज होने के साथ गिरफ्तारी भी शामिल है।

प्रशासन ने गैस से संबंधित शिकायतों के निस्तारण के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं, जिन पर प्राप्त शिकायतों का समाधान किया जा रहा है।

जिला प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे गैस का उपयोग नियमों के अनुसार करें और किसी भी प्रकार की अनियमितता की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें।

निर्णय

वनाग्नि सीजन के दौरान नैनीताल और उधमसिंह नगर जिलों में तैनात प्रभागीय वनाधिकारियों का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। यह निर्णय आगामी जून माह तक चलने वाले वनाग्निकाल को देखते हुए लिया गया है।

उत्तराखंड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी के निदेशक और वनाग्नि नियंत्रण के नोडल अधिकारी संजीव चतुर्वेदी ने बताया कि वनाग्नि की संभावनाओं को देखते हुए अधिकारियों की पूरी तैनाती सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि वन संरक्षकों और प्रभागीय वनाधिकारियों के साथ आयोजित वर्चुअल बैठक में यह निर्णय लिया गया, ताकि वनाग्नि की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके और किसी भी स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

निर्णय

वनाग्नि सीजन के दौरान नैनीताल और उधमसिंह नगर जिलों में तैनात प्रभागीय वनाधिकारियों का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। यह निर्णय आगामी जून माह तक चलने वाले वनाग्निकाल को देखते हुए लिया गया है।

उत्तराखंड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी के निदेशक और वनाग्नि नियंत्रण के नोडल अधिकारी संजीव चतुर्वेदी ने बताया कि वनाग्नि की संभावनाओं को देखते हुए अधिकारियों की पूरी तैनाती सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि वन संरक्षकों और प्रभागीय वनाधिकारियों के साथ आयोजित वर्चुअल बैठक में यह निर्णय लिया गया, ताकि वनाग्नि की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके और किसी भी स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

कुंभ मेला तैयारियां

कुंभ मेला–2027 की तैयारियों के तहत हरिद्वार के कनखल क्षेत्र के विकास और यातायात व्यवस्था को सुधारने की कवायद तेज कर दी गई है। मेला प्रशासन ने क्षेत्र के पौराणिक भवनों और प्राचीन कुओं के जीर्णोद्धार के साथ–साथ संकरी गलियों और सड़कों के सुधार को प्राथमिकता में रखा है।

इसी क्रम में मेलाधिकारी सोनिका और अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने कनखल क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने श्रीयंत्र मंदिर, सतीघाट, कनखल बाजार, झंडा चौक और पहाड़ी बाजार क्षेत्रों का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों तथा दुकानदारों से बातचीत कर उनकी समस्याएं और सुझाव लिए।

मेलाधिकारी ने कहा कि कनखल के प्राचीन भवन और कुएं इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण धरोहर हैं, जिनका संरक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुंभ मेला के तहत इन स्थलों के जीर्णोद्धार के साथ–साथ सड़कों और गलियों में आवश्यक सुधार कर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क सुधार, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। साथ ही स्थानीय लोगों से मिले सुझावों के आधार पर व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाया जाएगा।

तैयारियां

देहरादून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित दौरे और दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस हाईवे के लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिलाधिकारी सविन बंसल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने अधिकारियों के साथ आशारोड़ी से गढ़ीकैंट स्थित महेंद्र ग्राउंड तक मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सड़क मार्ग पर सभी आवश्यक सुधार कार्य तुरंत पूरे किए जाएं। उन्होंने डिवाइडरों की मरम्मत, पैचवर्क, दीवारों के रंग–रोगन और चौक–चौराहों के सौंदर्यीकरण के साथ मार्ग को साफ–सुथरा रखने के निर्देश दिए।

सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए पूरे मार्ग पर सख्त इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि आवागमन में किसी तरह की बाधा न हो।

इसके बाद जिलाधिकारी ने महेंद्र ग्राउंड पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और पंडाल, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल और मोबाइल शौचालय जैसी सुविधाओं को समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर सुगम आवागमन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।